
अलवइन
बन्दरा

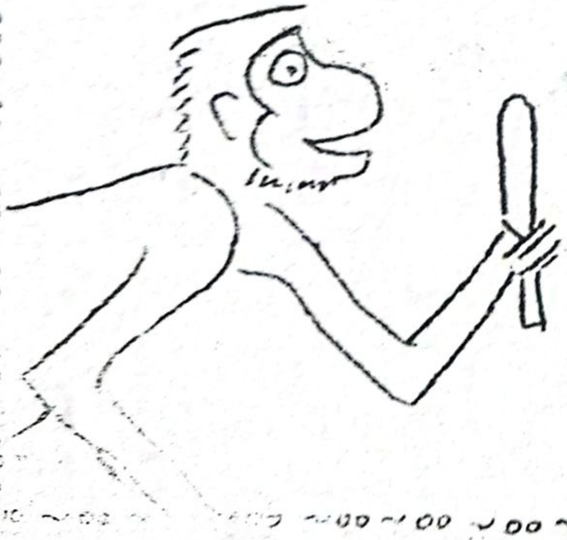
एक बेन्दरा रहाय।
वो अड़बड़ अलवइन रहाय।

एक दिन नाउहा एक झन के
मुडी ला मूड़त रहाय।
ओतकेच बेर बेन्दरा हा
ओकर छुरा ला धर के भागीस।

नाउहा चिल्लाइस - अरे बेन्दरा
मोर छुरा ला दे।
ता बेन्दरा हा किहिस -

चुन्दि हा तोर करा
तोर छुरा मोर करा।
अइसेने कहीके बेन्दरा भगा जाथे।



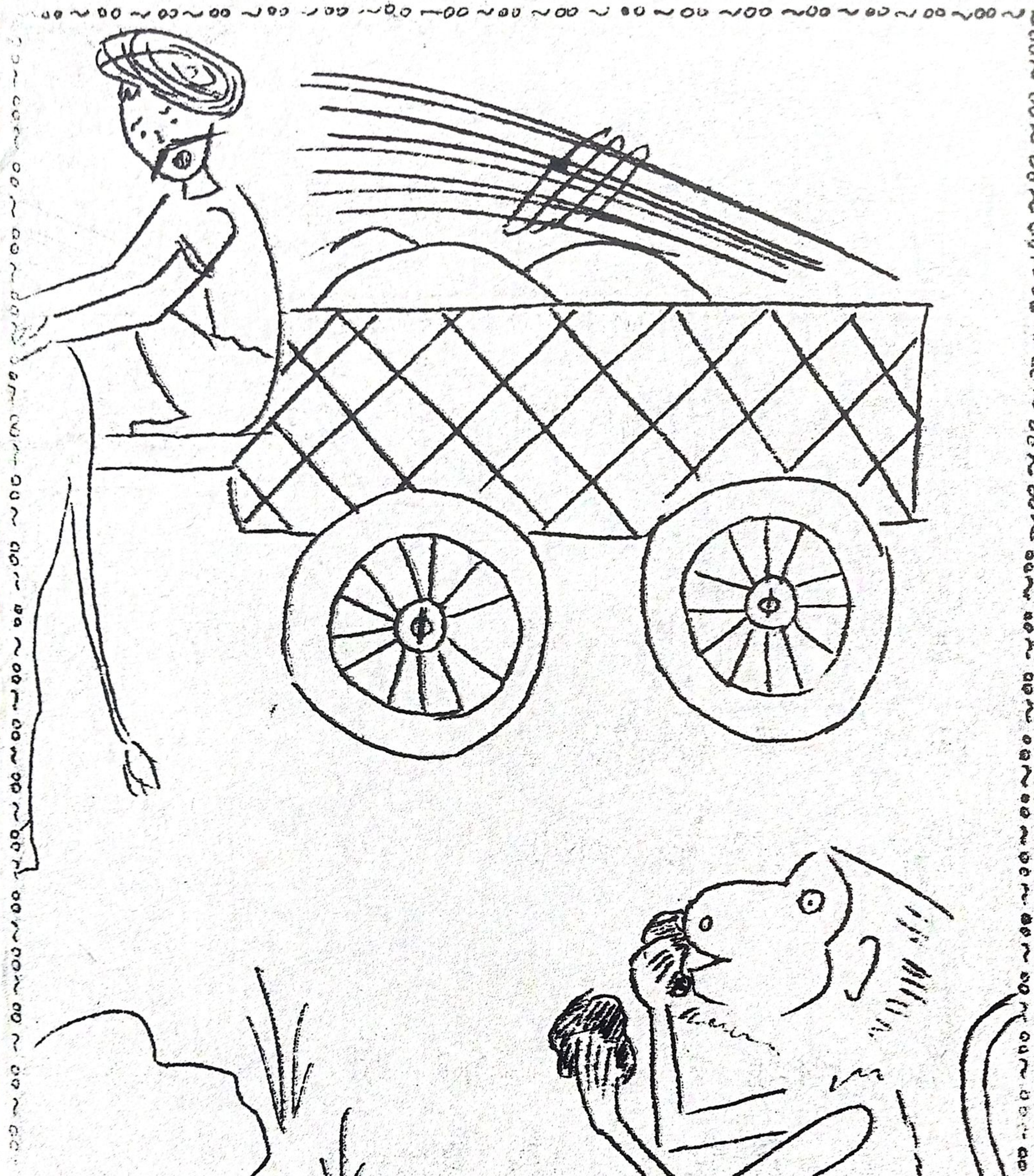


जावत जावत बेन्दरा ला
एक झन कान्दी लुवैया मिलिस।
ता बेन्दरा हा छुरा ला छोड़ीस
अऊ कान्दी ला धर के भागीस।

कान्दी लुवैया चिल्लाइस - अरे बेन्दरा
मोर कान्दी ला दे।

ता बेन्दरा हा किहिस - चुन्दि हा नाउ करा
नाउ के छुरा तोर करा
तोर कान्दी मोर करा।
अइसने कहीके बेन्दरा हा भगा जाथे।





भागत भागत बेन्दरा ला
एक जन बनिया मिलथे।
ओकर गाडी मा गूड़ लदाय रहिथे।

बेन्दरा हा गाडी ऊपर चघीस अऊ
कान्दी ला छोडीस अऊ
गूड ला धर के भागीस

ता बनिया हा जोर जोर के चिल्लाइस –
अरे बेन्दरा, अरे बेन्दरा
मोर गूड ला दे।

ता बेन्दरा किहिस –

चुन्दि हा नाउ करा
नाउ के छुरा लुवैया करा
लुवैया के कान्दी तोर करा
तोर गुड़ मोर करा ।

अइसेने कहीके बेन्दरा गूड़ला खा के भाग गीस।

